

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) साहित्य का स्वरूप साहित्य का स्वरूप बहुत व्यापक है और इसमें मानवीय अनुभवों, विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं की अभिव्यक्ति होती है। यह समाज का दर्पण होता है और विभिन्न युगों की संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक संरचनाओं को दर्शाता है। साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह पाठक को सोचने पर मजबूर करता है, उसमें संवेदनशीलता विकसित करता है और उसे नैतिक तथा मानवीय मूल्यों से परिचित कराता है। इसमें कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध आदि विभिन्न विधाएँ शामिल हैं, और प्रत्येक विधा का अपना विशिष्ट स्वरूप होता है।

(ख) 'पूरब पश्चिम' फिल्म का सांस्कृतिक पक्ष 'पूरब पश्चिम' फिल्म भारतीय और पश्चिमी संस्कृति के टकराव और समन्वय को दर्शाती है। यह फिल्म विदेश में रहने वाले भारतीयों की पहचान के संकट और पश्चिमी जीवन शैली के प्रभाव को उजागर करती है। फिल्म में भारतीय मूल्यों, परंपराओं और देशभक्ति पर जोर दिया गया है, जबकि पश्चिमी संस्कृति के कुछ नकारात्मक पहलुओं को भी दिखाया गया है। यह फिल्म सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

(ग) सिनेमा और सामाजिक परिवर्तन सिनेमा समाज में परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली माध्यम है। यह सामाजिक मुद्दों, जैसे गरीबी, असमानता, भ्रष्टाचार, लैंगिक भेदभाव आदि को उजागर कर सकता है, जिससे लोगों में जागरूकता आती है। फिल्मों नई सोच को बढ़ावा दे सकती हैं, रूढ़ियों को तोड़ सकती हैं और प्रगतिशील विचारों को लोकप्रिय बना सकती हैं। सिनेमा दर्शकों की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है और उन्हें सामाजिक न्याय और समानता के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

2. 'रजनीगंधा' फिल्म में अभिव्यक्त प्रेम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 'रजनीगंधा'

फिल्म में प्रेम के सूक्ष्म और यथार्थवादी स्वरूप को दर्शाया गया है। यह फिल्म एक साधारण लड़की दीपा की कहानी है जो अपने वर्तमान प्रेमी संजय और अतीत के प्रेमी नवीन के बीच दुविधा में फँसी है। फिल्म में प्रेम को केवल रूमानी भावना के रूप में नहीं, बल्कि मानवीय संबंधों की जटिलता, असुरक्षा और मानसिक उथल-पुथल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह दर्शाती है कि प्रेम में आदर्शवाद के साथ-साथ व्यवहारिकता और अनिश्चितता भी होती है। दीपा का नवीन के प्रति आकर्षण उसके बीते हुए कल की स्मृतियों और भविष्य की अनिश्चितताओं का परिणाम है, जबकि संजय के साथ उसका रिश्ता वर्तमान की वास्तविकता पर आधारित है। फिल्म प्रेम में भावनाओं के उतार-चढ़ाव और व्यक्ति की आंतरिक संघर्ष को बखूबी दर्शाती है।

3. 'हम आपके हैं कौन' फिल्म के आधार पर सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की

अवधारणा स्पष्ट कीजिए। 'हम आपके हैं कौन' फिल्म भारतीय परिवार, परंपराओं और त्योहारों पर केंद्रित है, जो भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। इस फिल्म में परिवार के प्रति सम्मान, बड़ों का आदर, निस्वार्थ प्रेम, त्याग, और रिश्तेदारी के महत्व को प्रमुखता से दिखाया गया है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन और एक पवित्र बंधन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में भारतीय त्योहारों जैसे होली, दिवाली, और शादी-ब्याह के रीति-रिवाजों का भव्य चित्रण है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। यह फिल्म संयुक्त परिवार प्रणाली, भाईचारे और भावनात्मक बंधनों को भी उजागर करती है, जहाँ व्यक्तिगत इच्छाओं से ऊपर पारिवारिक सुख और सामंजस्य को प्राथमिकता दी जाती है।

4. "साहित्य और सिनेमा एक-दूसरे के पूरक हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। यह

कथन बिल्कुल सत्य है कि साहित्य और सिनेमा एक-दूसरे के पूरक हैं। साहित्य, विशेषकर

कहानियाँ, उपन्यास और नाटक, सिनेमा के लिए विचारों और कथानकों का एक समृद्ध स्रोत प्रदान करता है। कई महान फिल्मों साहित्यिक कृतियों पर आधारित होती हैं, जहाँ साहित्य की गहराई और जटिलता को सिनेमा के दृश्य माध्यम से जीवंत किया जाता है। सिनेमा साहित्यिक कृतियों को बड़े दर्शकों तक पहुँचाने का काम करता है, जो शायद मूल पाठ को न पढ़ पाएँ।

Duhive